विषय : हिन्दी-ए
कक्षा : 9
अधिकतम अंक : 90
ब्लू प्रिंट
एस ए II

समय 3 घंटे

कुल अंक 90

क्र. सं.	उद्देश्य प्रश्न का प्रकार / विषय इकाई	ज्ञान			अर्थग्रहण			अभिव्यक्ति			उपयोग
		दी	लउ	अलउ	दी	लउ	अलउ	दी	लउ	अलउ	योग
1	अपठित गद्यांश			1(1)*			4(4)*				5(5)
2	अपठित गद्यांश			1(1)*			4(4)*				5(5)
3	अपठित गद्यांश						5(5)				5(5)
4	अपठित गद्यांश						5(5)				5(5)
5	व्यवहारिक व्याकरण			4(4)							4(4)
6	व्यवहारिक व्याकरण			4(4)							4(4)
7	व्यवहारिक व्याकरण			4(4)							4(4)
8	व्यवहारिक व्याकरण			4(4)							4(4)
9	व्यवहारिक व्याकरण			4(4)							4(4)
10	पठित गद्यांश						5(5)				5(5)
11	गद्य प्रश्न					10(5)					10(5)
12	पठित पद्यांश					5(3)					5(3)
13	पद्य प्रश्न					10(5)					10(5)
14	पूरक पठन							4(1)			4(1)
15	पूरक पठन					4(2)*			2(1)*		6(3)
16	अनुच्छेद							5(1)			5(1)
17	पत्र							5(1)			5(1)

90

प्रतिदर्श प्रश्न- पत्र
हिंदी 'ए'
कक्षा-नवीं

समय 3 घंटे **कुल अंक 90**

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए । 5x1=5

सही समय पर सही चुनाव करने वाला व्यक्ति सदैव सफलता प्राप्त करता है। चुनाव में असावधान व्यक्ति कभी सफलता के श्रृंगों पर नहीं चढ़ पाता। जो व्यक्ति अपने दैनिक कार्यक्रमों में सजगता के साथ उपयुक्त चुनाव नहीं करता और महत्व की दृष्टि से उनमें ठीक-ठीक क्रम नहीं बिठा पाता वह व्यक्ति न ठीक समय पर कोई कार्य पूरा कर पाता है और न ही कोई उद्देश्य निर्धारित कर पाता है । हमें एक तालिका बनाकर यह निश्चित कर लेना चाहिए कि हमें किस समय सोना है, किस समय उठना है और किस समय, क्या और कितना खाना है तथा किस समय अध्ययन करना है। खेल-कूद और व्यायाम के लिए भी समय का चुनाव करना श्रेयस्कर है। जो समय का ध्यान रखते है वे अपने कार्यों को रचनात्मक ढंग से संपन्न कर पाते हैं। चुनाव करते समय, हमें अपने मित्रों और सहयोगियों के प्रति भी बहुत सावधानी बरतनी होगी। यह चुनाव हमारे जीवन की अनेक सफलताओं और असफलताओं के लिए ज़िम्मेदार हो सकता है। उचित चुनाव का कोई विकल्प नहीं है। और न वे अपने समय का मूल्य ही समझ पाते हैं जो ठीक समय पर उपयुक्त चुनाव करना नहीं जानते ।

(i) जीवन में सफलता की ऊँचाई पर पहुँचने के लिए सबसे महत्वपूर्ण क्या है ?

(क) परिश्रम करना ।

(ख) निरंतर आगे बढ़ते रहना ।

(ग) उचित समय पर उचित चयन ।

(घ) समय का सदुपयोग ।

(ii) किस तरह के लोग अपने कर्मों को सुंदर और कलात्मक रूप में नहीं कर पाते ?

(क) जो समय को नियोजित नहीं करते ।

(ख) जो दिवास्वप्न देखते रहते हैं ।

(ग) जो व्यर्थ की भागदौड़ में लगे रहते है ।

(घ) जो कुएं के मेढ़क हैं ।

(iii) दैनिक जीवन में किन बातों के बीच चुनाव करना महत्वपूर्ण है?

(क) अध्ययन के बारे में

(ख) दिनचर्या के सभी कार्यों में

(ग) केवल खान-पान के बारे में

(घ) खेल-कूद और व्यायाम के बारे में

(iv) 'विकसित' में कौन-सा प्रत्यय है ?

(क) ईत

(ख) वि

(ग) इत

(घ) सित

(v) इस गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक होगा-

(क) उपयुक्त चुनाव

(ख) खेल-कूद और व्यायाम

(ग) परिश्रम

(घ) समय का मूल्य

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए। 5x1=5

जवाहर लाल नेहरू भारत के पहले प्रधान मंत्री थे । उन्होंने भारतवासियों के विषय में अपने उद्‌गार प्रकट करते हुए कहा, 'भारतीय जनता से मुझे इतना प्रेम मिला है कि मैं चाहे जो भी कुछ क्यों न करूँ, उसके अल्पांश का भी बदला नहीं चुका सकता। सच तो यह है, प्रेम जैसी अमूल्य वस्तु का बदला चुकाया ही नहीं जा सकता। मै तो केवल यह कर सकता हूँ कि जितने दिन मैं और जीवित रहूँ अपने देशवासियों के और उनके प्यार के योग्य बना रहूँ । मेरी इच्छा है कि मरने के बाद मेरा दाह संस्कार कर दिया जाए। यदि मैं विदेश में मरूँ तो दाहकर्म वहीं कर दिया जाए और मेरी भस्म प्रयाग भेज दी जाए ।

उसकी एक मुट्‌ठी गंगा में प्रवाहित कर दी जाए। भस्म का शेष भाग विमान द्वारा ऊपर से उन खेतों में बिखेर दिया जाए जहाँ भारत के किसान अपना पसीना बहाते है, ताकि भस्म भारत की धूल और मिट्‌टी में मिलकर भारत का अभिन्न अंग बन जाए। गंगा तो विशेषकर भारत की नदी है लोगों की उस पर अपार श्रद्धा है, उसके विजय-गीत जुड़े हुए है। युगों पुरानी भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता की प्रतीक रही है यह गंगा। अनादि काल से बहती चली आ रही है, फिर भी बनी हुई है गंगा की गंगा ।

(i) नेहरूजी ने भारतीयों के प्रति अपने उद्‌गार कैसे प्रकट किए ?

(क) भारतीयों का प्रेम मेरे लिए अनमोल है ।

(ख) भारतीयों के प्रेम के आगे मैं विवश हूँ ।

(ग) भारतीयों के प्रेम की सराहना सभी करते है ।

(घ) भारतीय परस्पर मिलकर रहते है ।

(ii) भारतीयों के प्रेम के योग्य बना रहने के लिए नेहरू जी क्या करना चाहते थे?

(क) सभी भारतीयों को मिलजुलकर रहने की प्रेरणा देता रहूँ ।

(ख) लोगों के बीच घुलमिलकर रहूँ ।

(ग) आजन्म ऐसे कार्य करूँ ताकि मैं हमेशा उनका प्रेम पाता रहूँ ।

(घ) स्नेह के बदले स्नेह बाँटता रहूँ ।

(iii) नेहरूजी ने अपनी भस्म गंगा में प्रवाहित करने के लिए क्यों कहा?

(क) गंगा की शीतलता उन्हें प्रिय थी ।

(ख) गंगा आस्था और पवित्रता का प्रतीक है ।

(ग) इलाहाबाद में जन्म होने के कारण गंगा से विशेष प्रेम था ।

(घ) सभी लोग गंगा में अस्थि विसर्जन करते है ।

(iv) नेहरूजी ने खेतों में भस्म बिखरने की बात क्यों कही?

(क) भारतीय किसान को प्रेरणा देने के लिए ।

(ख) भारत की मिट्टी में समाहित होने के लिए ।

(ग) मृत्यु के बाद भी देश के काम आना चाहते थे ।

(घ) भूमि को उपजाऊ बनाना चाहते थे ।

(v) 'अनादि' में उपसर्ग है -

(क) अना

(ख) अन

(ग) अ

(घ) आदि

3. निम्नलिखित पद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए - 5x1=5

करूँगी प्रतीक्षा अभी
दृष्टि उस सुदूर भविष्य पर टिका कर
फिर करूँगी काम ।
प्रश्न नहीं पूछूँगी ,
जिज्ञासा अंतहीन होती है
मेरे लिए काम जैसे
जपने को एक नाम ।
मैं ही तो हूँ
जिसने उपवन में
बीजों को बोया है ।
अंकुर के उगने से बढ़ने तक
फलने तक
धैर्य नहीं खोया है
एक-एक कोंपल की चाव

से निहारी हैं बाट सदा ।

मैं ही तो हूँ

जिसने प्यार से सँवारी है

डाल-डाल

आएँगी कलियाँ

फिर बड़े गझिन गुच्छों में फूलेंगे फूल लाल

करूँगी प्रतीक्षा अभी ।

(i) कवयित्री भविष्य की प्रतीक्षा करने का संकल्प क्यों लेती है ?

(क) उसके सपने फल-फूल सकें

(ख) जिज्ञासा अंतहीन है

(ग) वह परिश्रम से घबराती नहीं

(घ) भविष्य सदा सुंदर होता है

(ii) कवयित्री धैर्य नहीं खोने की बात क्यों कहती है ?

(क) लक्ष्य प्राप्ति के लिए धौर्यवान होना ज़रूरी है ।

(ख) प्रतीक्षा की संकल्पना अपने आप में सुखदायी होती है ।

(ग) विकास की कोई भी प्रक्रिया समय लेती है ।

(घ) धैर्य मनुष्य को संवेदनशील बनाता है ।

(iii) कविता की शैली है -

(क) संबोधन शैली

(ख) आत्मकथात्मक शैली

(ग) संवादात्मक शैली

(घ) प्रेरणात्मक शैली

(iv) सुनहरे भविष्य के लिए कवयित्री का क्या संदेश है ?

(क) सुंदर कल्पना करनी चाहिए

(ख) धैर्यवान बनाना चाहिए

(ग) कर्मठ बनना चाहिए

(घ) वर्तमान की हर बात पर ध्यान देना चाहिए

(v) 'लाल फूलों के गुच्छे किसका प्रतीक है ?

(क) पूरी निष्ठा से काम करने का

(ख) प्रेम का

(ग) उज्ज्वल भविष्य का

(घ) उन्नति का

4. निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर सही विकल्प चुनकर लिखिए - 5x1=5

मैंने देखा
एक बड़ा बरगद का पेड़ खड़ा है
उसके नीचे कुछ छोटे-छोटे पौधे
बड़े सुशील विनम्र
देखकर मुझको यों बोले-
हम भी कितने खुशकिस्मत हैं
जो खतरों का नहीं सामना करते
आसमान से पानी बरसे, आँधी गरजे,
बिजली कड़के, आगी बरसे
हमको कोई फिक्र नहीं है
एक बड़े की वरद छत्रछाया के नीचे
हम अपने दिन बिता रहे हैं
बड़े सुखी हैं ।
मैंने देखा
एक बड़ा बरगद का पेड़ खड़ा है
उसके नीचे कुछ छोटे-छोटे पौधे
असंतुष्ट और रुष्ट
देखकर मुझको यों बोले
हम भी कितने बदकिस्मत हैं
जो खतरों का नहीं सामना करते
वे कैसे ऊपर को उठ सकते है
इसी बड़े की छाया ने ही
हमको बौना बना रखा
हम बड़े दुखी है ।
मैंने देखा
एक बड़ा बरगद का पेड़ खड़ा है
उसके नीचे कुछ छोटे- छोटे पौधे
तने हुए, उद्दण्ड
देखकर मुझकों यों गरजे-
हमकों छोटा रखकर ही यह बड़ा बना है
जन्म अगर हम पहले पाते
तो हम इसके अग्रज होते
हम इसके दादा कहलाते-इस पर छाते
नहीं वक्त का जुल्म हमेशा
हम यों ही सहते जाएँगे
हम काँटों की आरी और कुल्हाड़ी अब तैयार करेंगे
फिर जब आप यहाँ आएंगे
बरगद की डाली-डाली कटती पाएंगे
ठूँठ मात्र यह रह जाएगा नंगा बूचा
और निगल जाएँगे तब हम इसे समूचा ।

(i) प्रस्तुत कविता में 'बरगद' किसका प्रतीक है ?

(क) घर के बड़े -बुजुर्गों का ।

(ख) समाज के प्रतिष्ठित धनवान लोगों को ।

(ग) छायादार वृक्ष का ।

(घ) समाज के प्रभावी व शोषक वर्ग का ।

(ii) 'नन्हे पौधे' से आशय है -

(क) शोषित वर्ग ।

(ख) गरीब लोग ।

(ग) छोटी -छोटी पौध ।

(घ) नई पीढ़ी ।

(iii) कुछ पौधे असंतुष्ट और रुष्ट क्यों हैं?

(क) चौबीसों घंटे छाया में ही रहना पड़ता है ।

(ख) उन्हें ऊपर उठने के लिए जगह नहीं मिलती ।

(ग) उनके व्यक्तित्व का सर्वांगींण विकास अवरुद्ध है ।

(घ) धूप हवा हमेशा बरगद को ही मिलती है ।

(iv) पहली पीढी स्वयं को भाग्यशाली क्यों मानती है ?

(क) परिश्रम नहीं करना पड़ता है ।

(ख) संघर्ष पूर्ण जिंदगी है ।

(ग) आराम की जिंदगी है ।

(घ) किसी से कुछ सुनना नहीं पड़ता ।

(v) तीसरी पीढ़ी के लोग कैसे हैं ?

(क) खूंखार , विद्रोही

(ख) व्यथित

(ग) क्रोधित

(घ) निराश

खण्ड 'ख'

5. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए- 4x1=4

(i) उपसर्ग से दो शब्द बनाइए ।

(ii) 'अनजान 'में कौन सा उपसर्ग लगा है ?

(iii) 'मीठी ' में कौन सा प्रत्यय है ।

(iv) सनसनाहट में कौन सा प्रत्यय है ।

6. निम्नलिखित निर्देशानुसार उत्तर दीजिए

(क) सामासिक पदों का विग्रह कर समास का भेद लिखिए - 2

(i) भारतरत्न

(ii) पीतांबर

(ख) 'कुशल' की भाववाचक संज्ञा क्या होगी? 1

(ग) रेखांकित पद की संज्ञा कौन सी है ? 1

आज देश को गांधीयों की जरूरत है ।

7. (क) अनिश्चय वाचक सर्वनाम से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए - 4x1=4

बाहर ..... आया है ।

(ख) रेखांकित पद का भेद बताइए - 1

उन्होंने मुझे बुलाया है ।

(ग) 'कपड़ा गंदा है।' इस वाक्य के विशेषण को बहुवचन बनाकर वाक्य पुनः लिखिए । 1

(घ) 'नीला' विशेषण का प्रयोग स्त्रीलिंग के रूप में वाक्य बनाकर कीजिए । 1

8. (क) 'ने' का प्रयोग करते हुए वाक्य पुनः लिखिए - 1

भूतपूर्व राष्ट्रपति अब्दुलकलाम बच्चों को विशेष महत्व देते थे ।

(ख) 'ने' का प्रयोग कर वाक्य लिखें - 1

इल्मा मंच पर नाटक को प्रस्तुत करती है ।

(ग) विलोम शब्द लिखिए- 2

विष, अल्पायु, कायर, निन्दा ।

9. (क) दो-दो पर्यायवाची लिखिए - 2

(i) सरस्वती

(i) प्रकाश

(ख) वाक्य बनाकर अर्थ स्पष्ट कीजिए - 2

(i) हँस-हँस

(ii) कपट-कपाट

खंड 'ग'

10. निम्नलिखत गद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए - 1x5=5

टोपी आठ आने में मिल जाती है और जूते उस जमाने में भी पाँच रुपये से कम में क्या मिलते होंगे । जूता हमेशा टोपी से कीमती रहा है । अब तो जूते की कीमत और बढ़ गई है और एक जूते पर पचासों टोपियाँ न्योछावर होती हैं । तुम भी जूते और टोपी के आनुपातिक मूल्य के मारे हुए थे । यह विडंबना मुझे इतनी तीव्रता से पहले कभी नहीं चुभी, जितनी आज चुभ रही है, जब मैं तुम्हारा फटा जूता देख रहा हूँ । तुम महान कथाकार, उपन्यास-सम्राट, युग-प्रर्वतक, जाने क्या-क्या कहलाते थे, मगर फोटो में भी तुम्हारा जूता फटा हुआ है ।

(i) टोपी की कीमत आठ आने और जूते की पाँच रूपये किस जमाने में होगी ?

(क) प्राचीन काल में

(ख) रामायण काल में

(ग) प्रेमचन्द के जमाने में

(घ) आज के समय में

(ii) आज एक जूते पर पचीसों टोपियाँ न्योछावर होती हैं, क्यों ?

(क) टोपी पहनने का प्रचलन नहीं रहा ।

(ख) जूते मँहगे चमड़े से बनते है ।

(ग) शक्ति के सामने प्रतिष्ठा को झुकना पड़ता है ।

(घ) जूते की मांग अधिक है ।

(iii) 'तुम भी जूते और टोपी ..... देख रहा हूँ।' इन पंक्तियों में 'तुम और मैं' किस-किस के लिए आया है ।

(क) प्रेमचन्द और लेखक

(ख) लेखक और प्रेमचन्द

(ग) युवा वर्ग और लेखक

(घ) प्रेमचन्द और साहित्यकार

(iv) परसाई जी को कौन सी विडम्बना चुभ रही है -

(क) जूते की बढ़ती कीमत

(ख) टोपी का घटता महत्व

(ग) सादगी और सच्चाई का घटता मूल्य

(घ) प्रेमचंद के फटे जूते

(v) प्रेमचंद क्या नहीं कहलाते थे-

(क) महान कथाकार

(ख) उपन्यास सम्राट

(ग) युग प्रर्वतक

(घ) राष्ट्रकवि

अथवा

उसी बीच आंनद भवन में बापू आए। हम लोग तब अपने जेबखर्च में से हमेशा एक-एक, दो-दो आने देश के लिए बचाते थे और जब बापू आते थे तो वह पैसा उन्हें दे देते थे। उस दिन बापू के पास जब मैं गई तो अपना कटोरा भी लेती गई। मैंने निकालकर बापू को दिखाया। मैंने कहा, 'कविता सुनाने पर मुझ को यह कटोरा मिला है ।' कहने लगे, 'अच्छा, दिखा तो मुझ को ।' मैंने कटोरा उनकी ओर बढ़ा दिया तो उसे हाथ में लेकर बोले, 'तू देती है इसे?' अब मैं क्या कहती? मैंने दे दिया और लौट आई। दुख यह हुआ कि कटोरा लेकर कहते, कविता क्या है? पर कविता सुनाने को उन्होने नहीं कहा ।

(i) आनंद भवन में कौन आए ?

(क) लेखिका के पिता

(ख) लेखिका के दादा

(ग) महात्मा गाँधी

(घ) जवाहर लाल नेहरू

(ii) महादेवी जी को पुरस्कार किसलिए मिला?

(क) गीत गाने पर

(ख) कविता सुनाने पर

(ग) कहानी लिखने पर

(घ) नृत्य करने पर

(iii) लेखिका बापू के पास क्यों गई ?

(क) वह बापू से मिलना चाहती थी ।

(ख) देश के लिए इकट्ठे किए गए पैसे देना चाहती थी ।

(ग) उनको चाँदी का कटोरा देना चाहती थी ।

(घ) कविता सुनाना चाहती थी ।

(iv) महादेवी जी रूआँसी क्यों हो गई ?

(क) बापू नहीं मिले ।

(ख) बापू ने कविता नहीं सुनी ।

(ग) बापू ने कटोरा मांग लिया ।

(घ) सुभद्रा जी खीर कैसे खिलाएंगी ।

(v) प्रस्तुत अनुच्छेद में छात्राओं की देशभक्ति किस प्रकार प्रकट होती है -

(क) कविता सुनाकर ।

(ख) देशभक्ति के गीत गाकर ।

(ग) बापू का संदेश सुना कर ।

(घ) देश के लिए जेब-खर्च से बचत करके ।

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए । 2x5=10

(क) 'प्रेमचन्द के फटे जूते' पाठ के आधार पर बताइए कि अब वेशभूषा के प्रति लोगों में क्या परिवर्तन आया है?

(ख) बालिका मैना ने सेनापति 'हे' को कौन-कौन से तर्क देकर महल की रक्षा करने के लिए प्रेरित किया?

(ग) 'रवीन्द्र नाथ टैगोर को प्रकृति से प्रेम था'-एक कुत्ता और एक मैना पाठ के उदाहरणों से प्रमाणित कीजिए।

(घ) 'मूक प्राणी मनुष्य से कम संवेदशील नहीं होते ।' स्पष्ट कीजिए।

(ड़) 'मेरे बचपन के दिन' महादेवी वर्मा द्वारा लिखित संस्मरण को ध्यान में रखकर बताइए कि लड़कियों के जन्म के संबंध में आज कैसी परिस्थितियाँ हैं?

12. निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़ कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

बूढ़े पीपल ने आगे बढ़कर जुहार की,
'बरस बाद सुधि लीन्हीं'-
बोली अकुलाई लता ओट हो किवार की,
हरसाया ताल लाया पानी परात भर के
मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के ।

(क) बूढ़े पीपल ने ही सबसे पहले जुहार क्यों की ? 2

(ख) पद्यांश से चार आँचलिक शब्द ढूँढ कर लिखिए । 2

(ग) लता द्वारा किवाड़ की आड़ से मेघ से बात करने पर कौन सा भाव प्रकट होता है ? 1

अथवा

काम पर क्यों जा रहे है बच्चे ?
क्या अंतरिक्ष में गिर गई है सारी गेंद
क्या दीमकों ने खा लिया है
सारी रंग-बिरंगी किताबों को
क्या काले पहाड़ के नीचे दब गए है सारे खिलौने

(क) कवि की चिन्ता क्या है ? 1

(ख) कवि के अनुसार बच्चों को कौन-कौन सी सुविधाएँ मिलनी चाहिए? 2

(ग) बच्चे इन सुविधाओं से वंचित क्यों हैं? 2

13. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए - 2x5=10

(क) बच्चों का काम पर जाना धरती के एक बड़े हादसे के समान क्यों है ?

(ख) 'चाँदी का बड़ा सा गोल खंभ' में कवि की किस सूक्ष्म कल्पना का आभास मिलता है ?

(ग) मेघ रूपी मेहमान के आने से वातारण में क्या परिवर्तन हुए ?

(घ) सरसों को 'सयानी कहकर कवि क्या कहना चाहता है ?

(ड़) कवि के अनुसार आज सभी दिशाएँ दक्षिण दिशाएँ क्यों हो गई है ?

14. 'शंकर जैसे लड़के या उमा जैसी लड़की', समाज को आज कैसे व्यक्तित्व का जरूरत है? 4

अथवा

'माटी वाली' कहानी में उठाई गई विस्थापन की समस्या पर अपने विचार प्रकट कीजिए ।

15. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए - 2x3=6

(क) बच्चन जी के अतिरिक्त लेखक शमशेर बहादुर सिंह को अन्य किन लोगों का तथा किस प्रकार सहयोग मिला?

(ख) लेखक शमशेर बहादुर सिंह ने अपने जीवन में किन-किन कठिनाइयों को झेला है, उनके बारे में लिखिए।

(ग) 'गरीब आदमी का शमशान नहीं उजड़ना चाहिए । कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

(घ) समाज में महिलाओं को उचित गरिमा दिलाने हेतु आप कौन-कौन से प्रयास कर सकते है?

खंड 'घ'

16. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर दिए गए बिंदुओ के आधार पर अनुच्छेद लिखें (80 से 100 शब्दों के बीच में) 5

(i) विद्यालय का वार्षिकोत्सव

- भूमिका
- विद्यालय की सजावट
- मुख्य अतिथि का स्वागत
- सांस्कृतिक कार्यक्रम
- पारितोषिक वितरण
- उपसंहार

(ii) प्रात: काल का भ्रमण

- भूमिका
- प्रकृति का सर्वश्रेष्ठ समय
- आवश्यकता व लाभ
- उपसंहार

(iii) विपत्ति कसौटी जे कसे तेई साँचे मीत

- मित्रता का महत्व
- मित्र का चुनाव
- सच्चे मित्र की विशेषताएँ
- मित्रता का निर्वाह

17. चुनाव के कारण आपके घर की दीवारें नारे लिखने और पोस्टर चिपकाने से गंदी हो गई है। इस समस्या की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए नवभारत टाइम्स के संपादक को पत्र लिखें । 5

अथवा

राष्ट्रपति द्वारा 'वीर बालक पुरस्कार' से सम्मानित अपने मित्र को बधाई पत्र लिखिए।

अंक योजना

हिंदी 'ए'

कक्षा-IX

एस.ए II

1.	(i) ग	(ii) क	(iii) ख	(iv) ग	(v) क	1x5=5
2.	(i) क	(ii) ग	(iii) ख	(iv) ख	(v) ख	1x5=5
3.	(i) क	(ii) ग	(iii) ख	(iv) ख	(v) ग	1x5=5
4.	(i) क	(ii) घ	(iii) ग	(iv) ग	(v) क	1x5=5

5.	(i) स्वधर्म, स्वदेश आदि	½+½ =1
	(ii) अन	1
	(iii) ई	1
	(iv) आहट	1
6.	(i) भारत का रत्न - तत्पुरुष	½+½ =1
	(ii) पीत है जो अंबर- कर्मधारय	½+½ =1
	अथवा	
	पीला है जिसका अंबर अर्थात् कृष्ण -बुहव्रीहि	
	(iii) कौशल / कुशलता	1
	(iv) जातिवाचक संज्ञा	1
7.	(i) कोई	1
	(ii) उत्तमपुरुषवाचक सर्वनाम	1
	(iii) कपड़े गंदे है ।	1
	(iv) नीली साड़ी खरीदनी है	1
8.	(i) भूतपूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम ने बच्चों को विशेष महत्व दिया	1
	(ii) इल्मा ने मंच पर नाट्क को प्रस्तुत किया	1
	(iii) अमृत, दीर्घायु	½+½ =1
	(iv) साहसी, स्तुति	½+½ =1
9.	(i) शारदा, भारती कोई दो	½+½ =1
	(ii) रोशनी, प्रभा	½+½ =1

(iii) कोई भी वाक्य जिसमें दोनों अर्थ स्पष्ट हो जाए

10. (i) ग (ii) ग (iii) क (iv) ग (v) घ ½+½ =1

अथवा

(i) ग (ii) ख (iii) ख (iv) ख (v) घ ½+½ =1

11. (क) आज लोग अपनी वेशभूषा के प्रति विशेष रूप से सजग हो गये हैं ।

लोग अपनी हैसियत जताने के लिए भी अच्छे कपड़े पहनते हैं । 1+1=2

(ख) इस जड़ महल ने आपका कोई अपराध नहीं किया है । अत: इसका विध्वंस नहीं होना चाहिए। उन्हें अपने और उनकी पुत्री मेरी के मैत्री संबंधों की याद दिला कर बताती है कि मेरी का पत्र आज भी उसके पास सुरक्षित है । 1+1=2

(ग) वे आश्रम के बगीचे के एक-एक फूल-पत्ते को सूक्ष्मता से देखते थे ।

आश्रम के पशु पक्षियों - अपने कुत्ते, यूथभ्रष्ट लंगड़ी मैना, कौओं का प्रवास पर चले जाना, सभी कुछ उनकी दृष्टि की परिधि में रहता था । 1+1=2

(घ) गुरुदेव का कुत्ता प्रतिदिन उनके पास तब तक बैठा रहता था जब तक वे उसे स्नेह से सहला नहीं देते थे। मैना उनके पास फुदकती हुई कृतज्ञता जताती रहती।

गुरुदेव का चिताभस्म आश्रम लाये जाने पर उनका कुत्ता कलश के साथ उत्तरायण तक गया और किसी स्नेही जन के समान शोकमग्न हो चुपचाप बैठा रहा । 1+1=2

(ड़) लड़कियों के जन्म के संबंध में आज की परिस्थितियों में कुछ सुधार आया है। आज लड़का-लड़की में भेदभाव नहीं किया जाता। लड़कियों को भी समान अधिकार प्राप्त होता है। 1+1=2

12. (क) भारतीय संस्कृति में अतिथि का स्वागत बड़े-बुजुर्गों द्वारा भी आगे बढ़ कर किया जाता है। पीपल गाँव की सीमा से लगा सबसे पुराना वृक्ष है, उसके द्वारा मेघ का स्वागत करना उचित है। 1+1=2

(ख) जुहार, सुधि लीन्ही, किवार, परात। ½+½+½+½ = 2

(ग) उपालंभ का भाव। 1

अथवा

(क) कवि बच्चों के बचपन को छीने जाने को लेकर चिन्तित है । 1

(ख) बच्चों को खेलने के लिए खिलौने व खेल के मैदान मिलने चाहिए 1+1=2

पढ़ने के लिए रंग बिरंगी किताबे व स्कूल मिलने चाहिए ।

(ग) इनके परिवार की आर्थिक स्थिति खराब है अत: विवश माता-पिता इन्हें ही आय का स्रोत बना लेते हैं।

समाज भी सहायता करने के स्थान पर इन्हें उपेक्षा की दृष्टि से देखता है। 1+1=2

13. (क) बच्चों का काम पर जाना हादसे के समान है क्योंकि आज के बच्चे कल के राष्ट्र का भविष्य हैं। बच्चों का भविष्य नष्ट होना किसी हादसे से कम नहीं है। 1+1=2

(ख) संध्या समय चन्द्रमा का प्रतिबिंब पोखर के जल में बन रहा है। जल में उठने वाली छोटी-छोटी लहरों के कारण उस का प्रतिबिंब चमकीले, लम्बे गोल के समान प्रतीत होता है । 2

(ग) मेघ रूपी मेहमान के आने से क्षितिज पर बादल घिर आए, बिजली चमकने लगी, ठंडी हवा चलने लगी, पेड़ और लताऐं झूमने लगें। 1+1=2

(घ) सरसों को सयानी कहकर कवि यह कहना चाहता है कि वह हाथ पीले कर विवाह मंडप में जाने को तैयार है। 1+1=2

(ड) समाज में व्याप्त हिंसा, विध्वंस, साम्प्रदायिकता व आतंकवादी ताकतों के कारण सारे संसार में मौत का तांडव हो रहा है। इसलिए सभी दिशाएँ दक्षिण दिशाएँ हो गई हैं। 2

14. निश्चय ही 'उमा जैसी लड़की' के व्यक्तित्व वाले लोगों की आवश्यकता है क्योंकि 4

- वह सुशिक्षित ,साहसी, चरित्रवान व स्पष्टवक्ता है।
- अपने साहस के कारण वह समाज के तथाकथित ठेकेदारों की कलई खोलने में सक्षम होती है और उन्हें आईना दिखा देती है ।
- समाज को नए विचारों की नई रोशनी व नई दिशा दे सकने में समर्थ है ।
- शंकर एक कम पढ़ा लिखा, दब्बू, ताक-झाँक करने वाला चरित्रहीन युवक है ।
- वह स्वयं ही दिशाहीन है , हर बात के लिए पिता पर आश्रित है । ऐसा व्यक्ति समाज के लिए बोझ ही है। उसकी उन्नति के लिए रंचमात्र भी सहयोग नहीं दे सकता ।

अथवा

विस्थापन का अर्थ है अपने घर और स्थान को किसी विवशता के कारण हमेशा के लिए छोड़ देना।

विस्थापन कई कारणों से हो सकता है - 4

- तूफान, बाढ़, सुनामी, भूकम्प ,ज्वालामुखी फटने से।
- सरकार द्वारा कोई पुल, कारखाना बनाने से
- सुरक्षा कारणों से
- राजनैतिक कारणों से - भारत -पाक विभाजन एवं बंगला देश बनने पर लाखों बसे-बसाए लोग विस्थापित हो गए।
- पुश्तैनी घर या विरासत नष्ट होने पर व्यक्ति मानसिक रूप से टूट जाता है ।
- संपत्ति के दस्तावेज न होने की स्थिति में वे सड़क पर आ जाते है जैसे माटी वाली अपनी झोंपड़ी खो बैठती है। ऐसे लोगों को शून्य से जीवन शुरू करने के लिए परिश्रम और संघर्ष करना पड़ता है ।
- सरकार द्वारा की गई सीमित क्षतिपूर्ति उनके मन के घावों को भरने व भविष्य संवारने में अक्षम रहती है ।

15. कोई तीन प्रश्न करने है - 2X3=6

(क) (i) सर्वप्रथम गुरू शारदाचरण जी ने उन्हें उकील आर्ट स्कूल में निशुल्क दाखिला दे दिया।

- पंत जी के सहयोग से उन्हें इंडियन प्रेस से अनुवाद का काम मिलने लगा।
- पंत जी और निराला जी के प्रोत्साहन से उन्हें कविता लिखने की प्रेरणा मिली। 2

(ख) लेखक प्रारम्भिक अवस्था में बेरोज़गार था। फीस तक चुकाने में असमर्थ था।

- साइनबोर्ड पेंट करके गुजारा चलाता था ।
- पत्नी की असमय मृत्यु उसे पूर्णतः एकाकी बना गई ।
- सुसराल वालों की कैमिस्ट की दुकान पर बैठने के लिए कंपाउडरी सीखनी पड़ी ।
- अनुवाद कार्य मिलने पर हिंदी भाषा में निपुणता की समस्या आ गई । 2

(ग) गरीब के पास चाहे सिर छिपाने के लिए छत न हो, परंतु शमशान एक ऐसा स्थान है जहाँ मरने के बाद हरेक को स्थान मिल जाता है ।

- टिहरी शहर में पानी भरने पर शमशान घाट भी डूब गए । असहाय माटी वाली को लगा झोंपड़ा तो उजड़ गया, अब शमशान में भी स्थान नहीं मिलेगा। 2

(घ) सभी वर्गों की महिलाओं को शिक्षित करने का प्रयास

- स्वावलंबी बनाने के लिए प्रयास
- घर परिवार व समाज में 'महिलाओं' के सम्मान व गरिमा बनाए रखने का प्रयास
- संपत्ति में बराबर का हक दिला कर आर्थिक रूप से सुरक्षित करने का प्रयास
- बिना दहेज के विवाह को प्रोत्साहन देकर । 2

16. अनुच्छेद के लिए अंक योजना

(i) भूमिका / प्रस्तावना 1

(ii) विषय प्रतिपादन 2

(iii) भाषा की शुद्धता 1

(iv) उपसंहार 1

17. पत्रलेखन

(i) प्रारंभ व समापन की औपचारिकताएँ 2

(ii) विषय सामग्री । प्रस्तुति 2

(iii) भाषा की शुद्धता 1

ब्लू प्रिंट
विषय : हिन्दी-ब
कक्षा : 9
अधिकतम अंक : 90

समय 3 घंटे

कुल अंक 90

क्र. सं.	उद्देश्य	ज्ञान			अर्थग्रहण			अभिव्यक्ति			उपयोग			योग
	प्रश्न का प्रकार/विषय इकाई	दी	लउ	अलउ	दी	लउ	अलउ	दी	लउ	अलउ	दी	लउ	अलउ	
1	अपठित गद्यांश						5(5)						5(5)	5(5)
2	अपठित गद्यांश						5(5)						5(5)	5(5)
3	अपठित गद्यांश						5(5)						5(5)	5(5)
4	अपठित गद्यांश						5(5)						5(5)	5(5)
5	व्यवहारिक व्याकरण			4(3)									4(3)	4(3)
6	व्यवहारिक व्याकरण			4(2)									4(2)	4(2)
7	व्यवहारिक व्याकरण			4(2)									4(2)	4(2)
8	व्यवहारिक व्याकरण			4(2)									4(2)	4(2)
9	व्यवहारिक व्याकरण			4(2)									4(2)	4(2)
10	पठित काव्यांश						5(5)						5(5)	5(5)
11	गद्य प्रश्न								6(2)			6(2)		6(2)
12	आशय							5(1)			5(1)			5(1)
13	पठित गद्यांश								2(1)*	3(3)*		2(1)*	3(3)*	5(4)
14	काव्य प्रश्न								9(3)			9(3)		9(3)
15	पूरक पुस्तक								6(2)			6(2)		6(2)
16	पूरक पुस्तक							4(1)			4(1)			4(1)
17	अनुच्छेद							5(1)			5(1)			5(1)
18	पत्र							5(1)			5(1)			5(1)

प्रतिदर्श प्रश्न - पत्र

संकलित परीक्षा -2

कक्षा-नवम्

विषय- हिन्दी बी

अंक 90

प्रश्न। निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से छाँटकर लिखिए।

सेकेंड क्लास तो क्या मैंने कभी इंटर क्लास में भी सफर न किया था। अबकी सेकेंड क्लास में सफर करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। गाड़ी तो नौ बजे रात को आती थी, पर यात्रा के हर्ष में हम शाम को ही स्टेशन जा पहुँचे। कुछ देर इधर-उधर सैर करने के बाद रिफ्रेशमेंट रूम में जाकर हम लोगों ने भोजन किया। मेरी वेश-भूषा और रंग -ढंग से पारखी खानसामों को यह पहचानने में देर न लगी कि मालिक कौन है और पिछलग्गू कौन, लेकिन न जाने क्यों मुझे उनकी गुस्ताखी बुरी लग रही थी। पैसे ईश्वरी की जेब से गए। शायद मेरे पिता को जो वेतन मिलता है, उससे ज्यादा इन खानसामों को इनाम-एकराम में मिल जाता हो। एक अठन्नी तो चलते समय ईश्वरी ही ने दी। फिर भी मैं उन सभी से उसी तत्परता और विनय की प्रतीक्षा करता था, जिससे वे ईश्वरी की सेवा कर रहे थे। ईश्वरी के हुक्म पर सब-के सब क्यों दौड़ते लेकिन मैं कोई चीज माँगता हूँ तो उतना उत्साह क्यों नहीं दिखाते? मुझे भोजन में कुछ स्वाद न मिला। वह भेद मेरे ध्यान को संपूर्ण रूप से अपनी ओर खींचे हुए था।

गाड़ी आई, हम दोनों सवार हुए। खानसामों ने ईश्वरी को सलाम किया, मेरी ओर देखा भी नहीं। ईश्वरी ने कहा - 'कितने तमीज़दार हैं ये सब, एक हमारे नौकर हैं कि कोई काम करने का ढंग नहीं' मैंने खट्टे मन से कहा-'इसी तरह अगर तुम अपने नौकरों को भी आठ आने रोज इनाम दिया करो तो शायद इससे ज्यादा तमीज़दार हो जाएँ। '

(क) लेखक व उसका मित्र समय से पहले ही स्टेशन क्यों पहुँच गए थे? 1

(i) गाड़ी न निकल जाए

(ii) सुविधा पूर्वक पहुँचने के लिए

(iii) घर जल्दी पहुँचने के लिए

(iv) यात्रा की प्रसन्नता में

(ख) खानसामे लेखक व उसके मित्र के स्तर को किस प्रकार पहचान चुके थे? 1

(i) खाने-पीने के तरीके से

(ii) बोलचाल के तरीके से

(iii) व्यवहार से

(iv) वेश-भूषा व आचरण से

(ग) लेखक को अपनी पारिवारिक स्थिति का बोध कब हुआ? 1

(i) जब उसने खानसामों को टिप लेते देखा

(ii) अपने मित्र को टिप देते देखा

(iii) खानसामों को अमीरों का स्वागत करते देखा

(iv) खानसामों की पोशाक अपने से अच्छी देखी

(घ) लेखक के मन में किस इच्छा का जन्म हुआ? 1

(i) खानसामे उसका स्वागत करें

(ii) खानसामे उसके आगे-पीछे दौड़े

(iii) खानसामे उसे पिछलग्गू न समझें

(iv) खानसामे उसे भी उसके मित्र के जैसा सम्मान दें ।

(ड.) इस गद्यांश में लेखक व उसके मित्र के किस विचार में अंतर लक्षित होता है। 1

(i) लेखक आत्मनिर्भरता पर विश्वास करता है व उसका मित्र नौकरों पर

(ii) अमीरी व गरीबी का अंतर

(iii) अतिरिक्त पैसा देने से नौकर अदब करते है

(iv) स्टेशन के नौकर घर के नौकरों से अधिक अच्छे होते हैं ।

प्रश्न2. पीपल का पेड़ भारत का दुर्निवार पेड़ है, इसे कोई लगाए, कहीं लग जाता है ।

पुराने मकानों की संधियों में, जहाँ चिड़िया पीपल का गोदा खाकर उसके बीज बिखरे जाती है, पीपल उग आता है। किसी-किसी पेड़ की डाली पर बीज पड़ जाता है, पीपल उग आता है और अपनी जड़े दूर-दूर फैलाता चला जाता है। गाँवों में लोग इसे काटते हुए डरते है। पीपल का पेड़ बड़ा पवित्र है। पीपल के पत्ते पर लोग रामनाम लिखते है। पीपल की छाँह में गाँवों में पंचायत। जुटती थी, ताकि लोग वहाँ झूठ न कहें। पीपल सत्य है, क्योंकि निरंतरता है। गाँवों में हमारी ओर पीपल को वासुदेव कहते हैं- वासुदेव श्रीकृष्ण ने गीता में अपने को वृक्षों में अश्वत्थ अर्थात् पीपल ही घोषित किया है । पीपल का पेड़ ही आरंभिक भारतीय कला में तथागत की उपस्थिति है (जब उनकी मूर्ति नहीं अंकित होती थी) । पीपल के पेड़ में मरे व्यक्ति का दाह हो जाने पर उसका जीवन घट बाँधा जाता है, दस दिनों तक उस घड़े से एक बूँद रिसता जल पीपल को सींचता है, ताकि जीवन की निरंतरता बनी रहे । पीपल सृष्टि का अनविच्छिन्न प्रवाह है । पीपल का पेड़ ढह जाए, उसका बीज वहीं और कई जगह और उग आता हे। पीपल के पेड़ की जड़ों पर सिर टेके श्रीकृष्ण ने जरा का तीर झेला और अपनी लीला समेटी। उस स्थान पर वृंदावन से पीपल का पौधा ले जाकर भागवत भूमि यात्रा के अवसर पर स्वर्गीय अज्ञेय ने लगाया था, वैसे पीपल के पेड़ के बहाने श्रीकृष्ण को अंजलि दी जाती रहे। वासुदेव से संबंध टूटने न पाए। वासुदेव से संबंध संस्कृति की संपूर्णता से संबंध है।

(क) पीपल को दुर्निवार क्यों कहा गया है?

(i) इसे हटाना कठिन है

(ii) यह अपने-आप पैदा होता है

(iii) यह पुराने मकानों में उगता है

(iv) यह घना पेड़ होता है

(ख) गांव के लोग पीपल को काटने से क्यों डरते हैं? 1

(i) वे पीपल की पूजा करते हैं

(ii) इसे देवताओं की तरह माना जाता है

(iii) वे इसे पवित्र मानते हैं

(iv) इससे वातावरण शुद्ध होता है

(ग) गाँव की पंचायत पीपल के पेड़ के नीचे क्यों होती हैं? 1

(i) पीपल के नीचे छाया मिलती है

(ii) पीपल के नीचे बैठना अच्छा होता है

(iii) पीपल के नीचे बैठकर सबके मुँह से सच ही निकलता है ।

(iv) पीपल के पत्रों पर रामनाम लिखा जाता है

(घ) गीता में पीपल का स्मरण किस रूप में किया गया है? 1

(i) सभी पेड़ों में पवित्र और श्रीकृष्ण के अवतार रूप में

(ii) निरंतरता के रूप में

(iii) सत्यता व पवित्रता के रूप में

(iv) तथागत की उपस्थिति के रूप में

(ड.) श्रीकृष्ण के जीवन का पीपल से क्या संबंध है ? 1

(i) श्रीकृष्ण ने पीपल के पेड़ के नीचे गीता-संदेश दिया था ।

(ii) श्रीकृष्ण ने पीपल के पेड़ के नीचे अपना शरीर त्यागा था ।

(iii) उसके बहाने श्रीकृष्ण को याद किया जा सके

(iv) श्रीकृष्ण व संस्कृति से संबंध जुड़ा रहे ।

प्रश्न3 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर के सही विकल्प छाँटकर लिखिए।

प्रकृति नहीं डरकर झुकती है
कभी भाग्य के बल से,
सदा हारती वह मनुष्य के
उद्यम से,श्रमजल से ।
ब्रह्मा का अभिलेख पढा
करते निरुद्यमी प्राणी,
धोते वीर कु-अंक भाल का
बहा भ्रुवों से पानी ।
भाग्यवाद आवरण पाप का
और शस्त्र-शोषण का,
जिससे रखता दबा एक जन
भाग दूसरे जन का ।

पूछों किसी भाग्यवादी से,

यदि विधि-अंक प्रबल है,

क्यों न उठा लेता निज संचित

कोश भाग्य के बल से ?

(क) प्रकृति कैसे मनुष्य से डरकर झुकती है ? 1

(i) पराश्रित व्यक्ति के सामने

(ii) परिश्रमी व्यक्ति के सामने

(iii) परावलंबी मनुष्य के भाग्य के बल से

(iv) भाग्य बल पर जीने वाले के सामने

(ख) निरुद्यमी प्राणियों से कवि क्या कहता है? 1

(i) दूसरों को सदैव अपने बल से दबाते हैं

(ii) ये प्राणी सदैव भाग्य के भरोसे जीते हैं

(iii) भाग्य की प्रबलता को आधार नहीं मानते

(iv) भाग्यवाद को अपनाने पर निर्भर नहीं करते

(ग) वीर व्यक्ति कैसे होते हैं ? 1

(i) अपने भाल को ऊँचा कर लेते हैं

(ii) अपने माथे से पसीना बहाते हैं

(iii) अपने जीवन को दुर्भाग्य के भरोसे आगे बढ़ाते हैं

(iv) अपने दुर्भाग्य को कर्म से धो डालते हैं

(घ) भाग्यवाद को कवि क्यों बुरा मानता है? 1

(i) यह पाप का आवरण है जो भाग्य को दुर्भाग्य में बदल देता है ।

(ii) इससे दूसरों पर हुक्म चलाया जा सकता है ।

(iii) यह पाप का आवरण व शोषण का शस्त्र है जिससे दूसरे के भाग्य को दबाया जा सकता है ।

(iv) यह पाप का आवरण है जो दोषी को सामने नहीं आने देता।

(ङ) भाग्यवादी व्यक्ति से कवि क्या पूछ रहा है?

(i) भाग्य के बल पर सब-कुछ क्यों नहीं पा लेता ?

(ii) विधि के अंक को बदल क्यों नहीं देता?

(iii) अपनी संपत्ति को भाग्य के बल पर संचित क्यों नहीं करता ?

(iv) भाग्य के बल पर दूसरों की संपति क्यों नहीं प्राप्त कर लेता ?

प्रश्न 4 यश है या न वैभव है, मान है न सरमाया,

जितना ही दौड़ा तू उतना ही भरमाया ।

प्रभुता का शरण-बिबं केवल मृगतृष्णा है,

हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है !

जो है यथार्थ कठिन उसका तू कर पूजन-

छाया मत छूना !

मन, होगा दुख दूना !

दुविधा-हत साहस है, दिखता है पंथ नहीं,

देह सुखी हो पर मन के दुख का अंत नहीं है !

दुख है न चाँद खिला शरद-रात आने पर,

क्या हुआ जो खिला फूल रस-बसंत जाने पर ?

जो न मिला भूल उसे कर तू भविष्य वरण,

छाया मत छूना

मन, होगा दुख दूना !

(क) 'जितना ही दौड़ा' से कवि का क्या अभिप्राय है ?

(i) जीवन में कर्म करते हुए यहाँ-वहाँ दौड़ना

(ii) भाग-दौड़ भरी जिंदगी जीना

(iii) अपनी इच्छाओं की पूर्ति के लिए भाग-दौड़ करना

(iv) मृगतृष्णा को नापने से

(ख) 'छिपी एक रात कृष्णा है।'- से कवि क्या कहना चाहता है? 1

(i) हर सुख के पीछे दुख की काली रात भी छिपी है

(ii) सुख और दुख एक साथ नहीं रहते

(iii) दुख सदैव बना रहता है

(iv) सुख के जाने पर फिर सुख नहीं आता ।

(ग) कवि किसका पूजन करने को कह रहे है ? 1

(i) प्रभु के चरणों का

(ii) जीवन के कठिन यथार्थ का

(iii) जीवन के मधुर पलों का

(iv) जीवन के सार्थक पलों का

(घ) मन के दुखों का अंत क्यों नहीं है ? 1

(i) मन के दुख का अंत क्यों नहीं हैं ?

(ii) मन देह के दुख से दुखी रहता है

(iii) चाँद और फूल के न खिलने पर

(iv) मन की तृष्णा कभी मरती नहीं है ।

(ड.) 'मृगतृष्णा' का अर्थ स्पष्ट कीजिए । 1

(i) मृग प्राप्त करने की तृष्णा

(ii) मृग की तृष्णा

(iii) जो नहीं है उसे प्राप्त करने की इच्छा

(iv) मृग रूपी तृष्णा

खण्ड-ख

प्रश्न5 (क) निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए 2

विख्यात, संक्रमण

(ख) निम्नलिखित शब्द में से मूल शब्द व प्रयुक्त उपसर्ग को अलग-अलग करके लिखिए। 1

अनावश्यक

(ग) निम्नलिखित शब्द में से मूल शब्द व प्रयुक्त प्रत्यय को अलग-अलग करके लिखिए। 1

वास्तविक

प्रश्न6 (क) निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के अन्य पर्यायवाची रूप से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। 2

(i) चारों तरु <u>आग</u> लगी हुई थी, उस ..... ने सब कुछ जला डाला।

(ii) <u>मेहमान</u> को ..... भी कहते है, क्योंकि उसके आने की तिथि निश्चित नहीं होती।

(iii) मुंबई में <u>गणेश</u> की पूजा होती है। ..... की पूजा के लिए बड़े-बड़े पंडाल लगाए जाते हैं।

(iv) <u>शिव</u> को तीन आँखोंवाला होने के कारण ..... भी कहा जाता है ।

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के विलोम रूप से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। 2

(i) कर्मधाारय समास में एक पद <u>उपमान</u> व दूसरा पद ..... होता है।

(ii) <u>पूर्णिमा</u> की रात चांदनी से भरपूर होती है परंतु ..... की रात अंधेरी होती है।

(iii) आज़ादी के दीवानों को <u>देशद्रोही</u> कहना पाप है, वे तो ..... थे ।

(iv) <u>स्तुति</u> और ..... से परे रहकर ही महान बना जा सकता है ।

प्रश्न7 (क) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो अनेकार्थक शब्द लिखिए। 2

पानी, कृष्ण

(ख) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक उपयुक्त शब्द का प्रयोग कीजिए । 2

(i) जिसका मूल्य न आँका जा सके ।

(ii) जो सहन न किया जा सके

(iii) जिसमें संदेह न हो

(iv) छोटा भाई

प्रश्न8 (क) निम्नलिखित वाक्यों में उद्देश्य और विधेय अलग-अलग करे लिखिए । 2

(i) भावना की बहन ने अपनी सहेलियों को जन्मदिवस पर मिठाई खिलाई।

(ii) कविता का भाई रवि कहानी की पुस्तक धीरे-धीरे पढ़ता है।

(ख) निम्नलिखित वाक्यों को सरल वाक्यों में बदलिए। 2

(i) लड़का गांव गया है। वहाँ बीमार हो गया।

(ii) एक दिन आँधी आई। कई पेड़ आँधी से गिर गए।

प्रश्न9 (क) निम्नलिखित वाक्यों में उचित स्थानों पर विराम चिह्न लगाइए ! 2

(i) माता जी बोली मैं आपके साथ नहीं रहूँगी ।

(ii) बी.ए. की वह किताब जिसे मैंने खरीदा था फट गई

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित मुहावरों द्वारा कीजिए । 2

(i) पढ़ाई ठीक ढ़ंग से न करके विद्यार्थी स्वयं ..... मारते है

(ii) रवि और रमेश के स्वभाव में ..... अंतर है ।

(iii) आज के नेताओं ने अपना ..... दिया है ।

(iv) विशाल अपने मित्र श्याम को ..... अपना काम निकाल रहा है ।

खण्ड-ग

प्रश्न10 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से ढूँढकर लिखिए ।

धोखा दे जाते हैं पुराने निशान
खोजता हूँ ताकत पीपल का पेड़
खोजता हूँ ढहा हुआ घर
और जमीन का खाली टुकड़ा जहाँ से बाएँ
मुड़ना था मुझे
फिर दो मकान बाद बिना रंगवाले
लोहे के फाटक का
घर था इकमंजिला

(क) नए बसते इलाके में कवि रास्ता क्यों भूल जाता है? 1

(i) वह काफी समय बाद आया है ।

(ii) पुराने निशान मिट चुके है ।

(iii) उसकी स्मरण-शक्ति कमजोर हो गई है ।

(iv) वह बूढ़ा हो चुका है ?

(ख) कविता में किस पेड़ का उल्लेख हुआ है ? 1

(i) बरगद का

(ii) पीपल का

(iii) आम का

(iv) नीम का

(ग) कवि को कहाँ से बाएँ मुड़ना था? 1

(i) ढहे घर की ओर से

(ii) दो मकानों के बाद

(iii) जमीन के खाली टुकड़े की ओर से

(iv) पीपल के पेड़ के दिखने के बाद

(घ) यह काव्यांश किस बात का बोध करवाता है ? 1

(i) जीवन में कुछ भी स्थायी नहीं है ।

(ii) सभी परिवर्तनशील है ।

(iii) बदलाव प्रकृति का नियम है ।

(iv) स्मृतियों के भरोसे नहीं जिया जा सकता ।

(ड़) कवि ने लोहे के फाटक के बाद किस घर की निशानी रखी थी?

(i) इकमंजिला घर

(ii) दो मंजिला घर

(iii) टूटा-फूटा घर

(iv) खूबसूरत घर

अथवा

बहुत रोकता था सुखिया को ,
'न जा खेलने को बाहर',
नहीं खेलना रुकता उसका
नहीं ठहरती वह पल-भर ।

मेरा हृदय काँप उठता था,

बाहर गई निहार उसे ,

यही मनाता था कि बचा लूँ

किसी भाँति इस बार उसे ।

(क) कवि की बेटी का नाम क्या था? 1

(i) सुखिया

(ii) दुखिया

(iii) बुधिया

(iv) गुड़िया

(ख) कवि अपने बेटी को बाहर खेलने से क्यों रोकता था? 1

(i) वह छोटी व अबोध थी

(ii) वह मिट्टी से खेलती थी

(iii) महामारी फैली हुई थी

(iv) बाहर गर्मी थी

(ग) कवि का हृदय क्यों काँप उठता था? 1

(i) वह बाहर जाकर खेलती थी

(ii) वह अपनी आयु के बड़े लोगों के साथ रहती थी

(iii) कवि को डर था कि वह गिर न जाए ।

(iv) कवि को महामारी की चपेट में आने की आशंका थी ।

(घ) कवि बेटी को किससे बचाना चाहता था ? 1

(i) महामारी से

(ii) बच्चों से

(iii) मिट्टी खाने से

(iv) खेलने से

(ड़) यह कविता किस समस्या पर केंद्रित है ? 1

(i) महामारी की समस्या

(ii) छुआछूत की समस्या

(iii) गरीबी की समस्या

(v) बीमारी की समस्या

प्रश्न11 पठित पाठों के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लिखिए । 3+3=6

(क) देश को वैज्ञानिक दृष्टि और चिंतन प्रदान करने में सर चंद्रशेखर वेंकट रामन् के महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डालिए ।

(ख) 'कीचड़ का काव्य' पाठ के आधार पर बताइए कि कवियों की धारणा को लेखक ने युक्तिशून्य क्यों कहा है ?

(ग) 'धार्म की आड़ 'पाठ के आधार पर महात्मा गाँधी के धार्म संबंधी विचारों पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न12 'तुम कब जाओगे, अतिथि' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि संबंधों का संक्रमण के दौर से गुजरने का क्या आशय है? 5

अथवा

'इस पेशे में आमतौर पर स्याह को सफेद और सफेद को स्याह करना होता था! ' इस पंक्ति का आशय 'शुक्रतारे को समान' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न13 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

रमन् सरकारी नौकरी की सुख-सुविधाओं को छोड़कर सन् 1917 में कलकता विश्वविद्यालय की नौकरी में आ गए। उनके लिए सरस्वती की साधना सरकारी सुख-सुविधाओं से कहीं अधिक महत्वपूर्ण थी कलकता विश्वविद्यालय के शैक्षणिक माहौल में वे अपना पूरा समय अध्ययन, और शोध में बिताने लगे। चार साल बाद यानी सन् 1921 में समुद्र-यात्रा के दौरान जब रामन् के मस्तिष्क में समुद्र के नीले रंग की वजह का सवाल हिलोरें लेने लगा, तो उन्होंने आगे इस दिशा में प्रयोग किए, जिसकी परिणति रामन्-प्रभाव की खोज के रूप में हुई ।

(i) सरकारी नौकरी छोड़कर रामन् ने विश्वविद्यालय में प्राफेसर की नौकरी करना क्यों स्वीकार कर लिया ?1

(ii) विश्वविद्यालय में वे अपना समय कैसे बिताते थे? 1

(iii) वे समुद्री यात्रा पर कब गए? 1

(iv) रामन् की खोज 'रामन्-प्रभाव' क्या है? 2

अथवा

पाश्चात्य देशों में, धनी लोगों की, गरीब मजदूरों की झोंपड़ी का मज़ाक उड़ाती हुई अट्टालिकाएँ आकाश से बातें करती हैं । गरीबों की कमाई ही से वे मोटे पड़ते है, और उसी के बल से, वे सदा इस बात का प्रयत्न करते हैं कि गरीब सदा चूसे जाते रहें । यह भयंकर अवस्था है। इसी के कारण, साम्यवाद, बोल्शेविज़्म आदि का जन्म हुआ।

(i) पाश्चात्य देशों में अमीर व गरीब में क्या अन्तर है? 1

(ii) धनी लोग किस प्रयत्न में लगे रहते है? 1

(iii) गरीबों के जीवन की विडंबना क्या है? 1

(iv) साम्यवाद का उद्देश्य क्या है तथा बोल्शेविज्म किसके नेतृत्व में स्थापित व्यवस्था हैं? 2

प्रश्न14 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए 3X3=9

(क) 'एक फूल की चाह' कविता के माध्यम से कवि ने किन-किन तथ्यों पर प्रकाश डाला है?

(ख) सभी कुछ गीत है, अगीत कुछ नहीं होता । कुछ अगीत भी होता है क्या? स्पष्ट कीजिए ।

(ग) 'अग्नि-पथ' कविता में क्या संदेश दिया गया है ?

(घ) नए बसते इलाके में कवि रास्ता क्यों भूल जाता है?

प्रश्न15 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लिखिए । 3+3=6

(क) पाठ के आधार पर बताइए कि लेखक धर्मवीर भारती का ऑपरेशन करने से सर्जन क्यों हिचक रहे थे?

(ख) मालाबार में हिंदु-मुसलमानों के परस्पर संबंधों का वर्णन कीजिए ।

(ग) महिसागर नदी के दोनों किनारों पर कैसा दृश्य उपस्थित था? अपने शब्दों में लिखिए ।

प्रश्न16 ''यह धर्मयात्रा है। चलकर पूरी करुँगा।'' गाँधी जी ने यह कथन किस परिपेक्ष्य में कहा है? इससे उनके किस चारित्रिक गुण का पता चलता है ? 4

अथवा

'इन कृतियों के बीच अपने को कितना भरा-भरा महसूस करता हूँ ।' पाठ के आधार पर लेखक के कथन का आशय स्पष्ट कीजिए ।

खण्ड- घ

प्रश्न17- निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधाार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए । 5

(क) **मूल्य वृद्धि**

(i) अर्थ

(ii) मूल्य बढ़ने के कारण

(iii) मूल्य वृद्धि के परिणाम

(iv) नियंत्रण के उपाय

(ख) **व्यायाम और खेल**

(i) स्वास्थ्य का जीवन में महत्व

(ii) व्यायाम और खेल में भेद

(iii) दोनों के लिए में भेद

(ग) मधुर वचन है औषधि

(i) मधुर वचन का महत्व

(ii) मधुर वचन से लाभ

(iii) कटुभाषी व्यक्ति निंदा का पात्र

(iv) यह महापुरुषों का आभूषण है ।

प्रश्न18 अपने मित्र को आगामी ग्रीष्मावकाश अपने साथ बिताने का निमंत्रण देते हुए पत्र लिखिए । 5

अथवा

अपने छोटे भाई को पत्र लिखकर अध्ययनशील होने की सलाह दीजिए ।

अनुमानित अंक तालिका

संकलित परीक्षा- 2

विषय - हिंदी

कक्षा- नवम्

खण्ड-क

प्रश्न1	क-(i)	ख-(ii)	ग-(iii)	घ-(iv)	ड़-(v)	1x5=5
प्रश्न2	क-(i)	ख-(ii)	ग-(iii)	घ-(iv)	ड़-(v)	1x5=5
प्रश्न3	क-(i)	ख-(ii)	ग-(iv)	घ-(iii)	ड़-(iii)	1x5=5
प्रश्न4	क-(iii)	ख-(i)	ग-(ii)	घ-(i)	ड़-(ii)	1x5=5

खण्ड -ख

प्रश्न5(क) (i) व्+इ+ख्+य्+आ+त्+अ

(ii) स्+अं+क्+र्+अ+म्+अ+ण्+अ 1+1=2

(ख)अन्+आवश्यक 1

(ग) वास्तव+इक+वास्तविक 1

प्रश्न6 (क)(i) आग ½ x4=2

(ii) अतिथि

(iii) गणपति

(iv) त्रिनेत्र

(ख)(i) उपमेय ½ x4=2

(ii) अमावस्या

(iii) देशभक्त

(iv) निंदा

प्रश्न7 (क)पानी- जल, कांति, सम्मान ½ x4=2

कृष्ण-काला, श्रीकृष्ण

(ख)(i) अमूल्य

(ii) असह्य

(iii) असंदिग्ध

(iv) अनुज ½ x4=2

प्रश्न8 (क)(i) उद्देश्य- भावना की बहन ने ½ x4=2

विद्येय- अपनी सहेलियों को जन्मदिवस की मिठाई खिलाई ।

(ii) उद्देश्य- कविता का भाई रवि

विद्येय- कहानी की पुस्तक धीरे-धीरे पढ़ता है ।

(ख)(i) लड़का गाँव जाकर बीमार हो गया । ½ x4=2

(ii) एक दिन आँधी आने से कई पेड़ गिर गए ।

प्रश्न9 (क)(i) माता जी बोली, ''मैं आपके साथ नहीं रहूँगी ।'' 1+1=2

(ii) बी.ए. की वह किताब, जिसे मैंने खरीदा था, फट गई ।

(ख)(i) अपने पाँव पर कुल्हाड़ी ½ x4=2

(ii) आकाश-पाताल का

(iii) ईमान बेचना

(iv) उल्लू बनाना

खण्ड-ग

प्रश्न10 क-(i) ख-(ii) ग-(iii) घ-(iv) ड़ (v)

अथवा

क-(i) ख-(ii) ग-(iii) घ-(iv) ड़ (ii) 1x5=5

प्रश्न11(क) 3+3=6

- राष्ट्रीय चेतना के धनी
- उपकरणों के अभाव में भी संघर्ष
- बंगलौर में उन्नत प्रयोगशाला और शोध संस्थान
- शोध छात्रों का मार्गदर्शन
- करेंट साइंस नामक पत्रिका
- इंडियन जरनल ऑफ फिजिक्स नामक पत्रिका

(ख)

- कवि सौंदर्य-प्रेमी
- वे पंक नहीं पंकज का सौंदर्य
- मल को अशुद्ध व कमल को पवित्र इसलिए लेखक की सोच में वे विचारहीन हैं क्योंकि समझाने पर भी वे कीचड़ के महत्व को नहीं स्वीकारेंगे ।

(ग)

- महात्मा गाँधी धर्म को सर्वत्र विद्यमान मानते थे ।
- मानव -धर्म को प्रमुखता
- सभी को समान

प्रश्न12 5

- अतिथि के आने की प्रसन्नता, मित्रता, घनिष्ठता उसके अधिक दिन तक रहने पर उग्रता, खीझ और रूखेपन में बदल जाती है ।
- अतिथि को रिश्ते की अहनियत समझनी चाहिए ।
- रिश्ता संक्रमित हो अनचाहा बने उससे पहले ही सचेत होना चाहिए ।

अथवा

- गाँधी जी के पास आने से पहले नरहरि व महादेव जी वकालत पढ़ते थे । यह पेशा सही को गलत और गलत को सही बताता है । इसका साहित्य और सत्कार में कोई संबंध नहीं है ।

प्रश्न13 (i) सरस्वती की साधना को अधिक ज़रूरी माना

(ii) अध्ययन, अध्ययन व शोध में

(i) सन् 1921 में

(iv) समुद्र के नीले रंग की वजह

अथवा

(v) अमीरों की बड़ी अट्टालिकाएं व गरीबों की झोंपड़ी 1

(vi) गरीबों की कमाई लूटने में 1

(v) चाहकर भी अमीर नहीं बन सकते 1

(vi) साम्यवाद का उद्देश्य विश्व मे वर्गहीन समाज की स्थापना करना बोल्शेविज़्म लेनिन के नेतृत्व में स्थापित व्यवस्था 2

प्रश्न14 (क) अछूत-प्रथा और बेटी की अंतिम इच्छा 3X3=9

(ख) अगीत मन में दबी आवाज़ है ।

जिस प्रकार आकार है, निराकार भी है ।

उसी प्रकार गीत है, अगीत भी है ।

(ग) अंतिम साँस तक संघर्ष करने का

(घ) नए मकान बनने व पुरानी निशानियाँ मिटने के कारण

प्रश्न15 (क) 1989 में तीन हार्ट अटैक के कारण 60% हृदय नष्ट हो गया और तीन रूकावट थी ।

(ख) परस्पर मेलजोल दंगे न के बराबर धर्म को लेकर कोई टकराव नहीं । 3ग3ञ6

(ग)

- घुप्प अंधेरी रात में भी मेला
- भजन व दरबार गीत की ध्वनि
- नदी के दोनों और असंख्य दीपकों का प्रकाश
- घाटी जैसा सौंदर्य

प्रश्न16

- गाँधी जी अपने सभी कार्यों को अपने हाथों से पूरा करने में विश्वास रखते थे । 1
- छोटे या बड़े कार्य की ज़िम्मेदारी 1
- समय के पाबंद 1
- अहिंसा व सच्चाई प्रिय 1

अथवा

- अस्पताल से लौटकर लाइब्रेरी में रहने की ज़िद
- महान लेखकों व साहित्यकारों के मध्य जीवंतता का अहसास
- अपार यादों का संकलन

प्रश्न17 अनुच्छेद -

- भूमिका 1
- दिए गए बिन्दुओं का प्रयोग 3
- भाषा -शैली व शुद्धता 1

प्रश्न18 पत्र प्रारंभ 1

विषय-वस्तु का प्रतिपादन 2

समाप्त / औपचारिकताएँ 1

भाषा-शुद्धता 1